www.evidyarthi.in

फिर से याद करें

प्रश्न 1. निम्नलिखित में मेल बैठाएँ :

बुद्ध	नामघर
शंकरदेव	विष्णु की पूजा
निज़ामुद्दीन औलिया	सामाजिक अंतरों पर सवाल उठाए
नयनार	सूफ़ी संत
अलवार	शिव की पूजा

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर-

बुद्ध	–	सामाजिक अंतरों पर सवाल उठाए
शंकरदेव	–	नामघर
निजामुद्दीन औलिया	–	सूफ़ी संत
नयनार	–	शिव की पूजा
अलवार	–	विष्णु की पूजा

www.evidyarthi.in

प्रश्न 2. रिक्त स्थान की पूर्ति करें :

(क) शंकर ..... के समर्थक थे।

(ख) रामानुज ..... के द्वारा प्रभावित हुए थे।

(ग) ..... , ... और ..... वीरशैव मत के समर्थक थे।

(घ) ..... महाराष्ट्र में भक्ति परंपरा का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र था।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

उत्तर-

(क) अद्वैत
(ख) अलवार
(ग) वसवन्ना, अल्लामा-प्रभु, अक्कमहादेवी
(घ) पंढरपुर।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 3. नाथपंथियों, सिद्धों और योगियों के विश्वासों और आचार-व्यवहारों का वर्णन करें।

उत्तर-

1. उन्होंने संसार के त्याग की वकालत की।
2. उनका मानना था कि मोक्ष का मार्ग निराकार ईश्वर पर ध्यान और उसके साथ एकता की अनुभूति में निहित है।

www.evidyarthi.in

मोक्ष

जीवन और मृत्यु से मुक्ति

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

3. इसे प्राप्त करने के लिए उन्होंने योगासन, श्वास व्यायाम और ध्यान जैसे अभ्यासों के माध्यम से मन और शरीर के गहन प्रशिक्षण की वकालत की।

4. वे पारंपरिक धर्म और सामाजिक व्यवस्था के अनुष्ठान और तेलीय पहलुओं में विश्वास नहीं करते थे।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 4. कबीर द्वारा अभिव्यक्त प्रमुख विचार क्या-क्या थे ? उन्होंने इन विचारों को कैसे अभिव्यक्त किया ?

उत्तर- कबीर द्वारा व्यक्त किए गए प्रमुख विचारों में शामिल हैं:

1. प्रमुख धार्मिक परंपराओं की अस्वीकृति।
2. ब्राह्मणवादी हिंदू धर्म और इस्लाम दोनों की बाहरी पूजा के सभी रूपों की आलोचना।

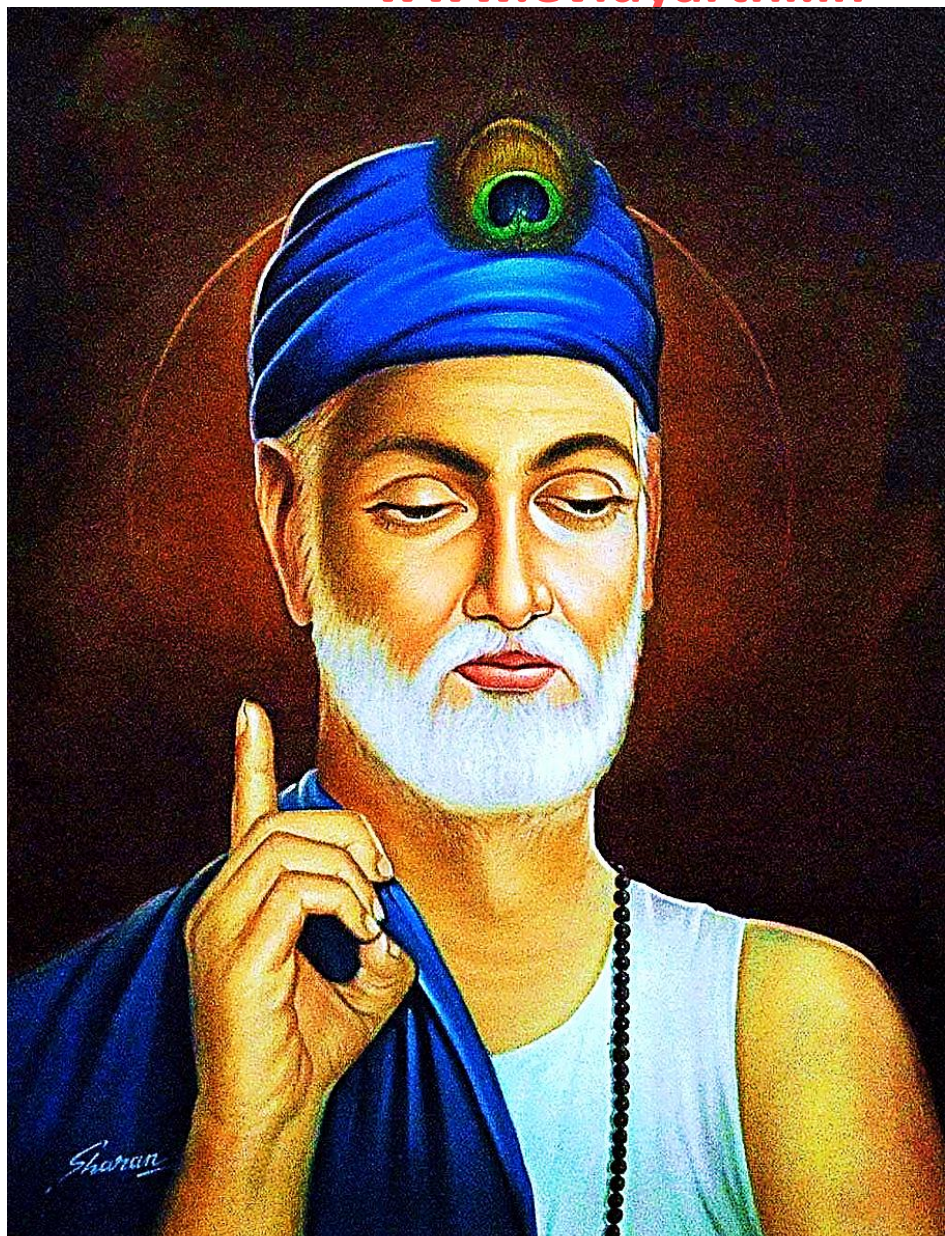

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

हिन्दू धर्म

इसलाम

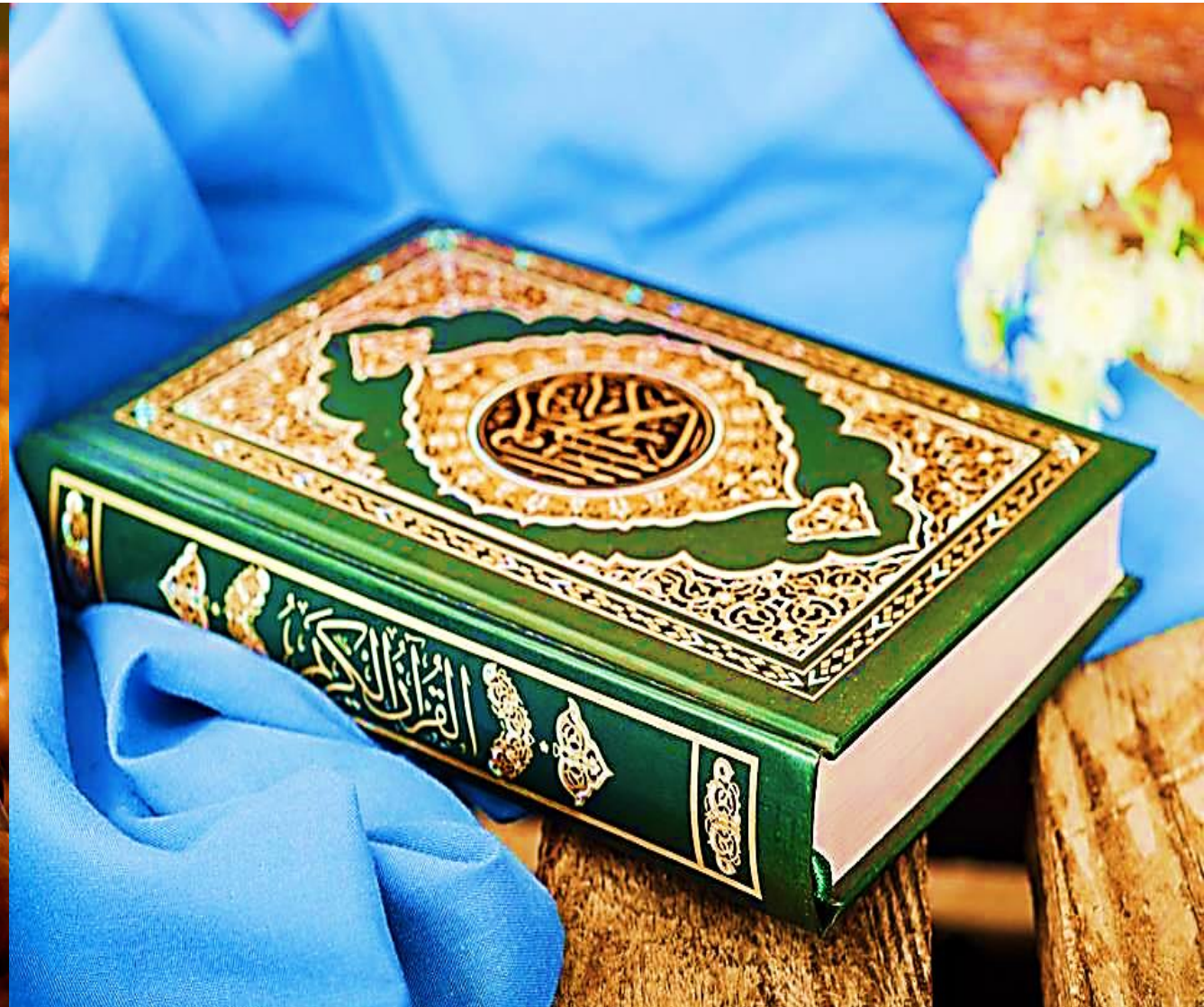

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

3. पुरोहित वर्ग और जाति व्यवस्था की आलोचना।

4. एक निराकार सर्वोच्च ईश्वर में विश्वास।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

5. मोक्ष प्राप्ति के लिए भक्ति या भक्ति पर जोर। कबीर ने अपने विचारों को साखियों और पैड के नाम से जाने जाने वाले छंदों के विशाल संग्रह में व्यक्त किया। कहा जाता है कि इनकी रचना उन्हीं ने की थी और इन्हें भटकते भजन गायकों ने गाया था।

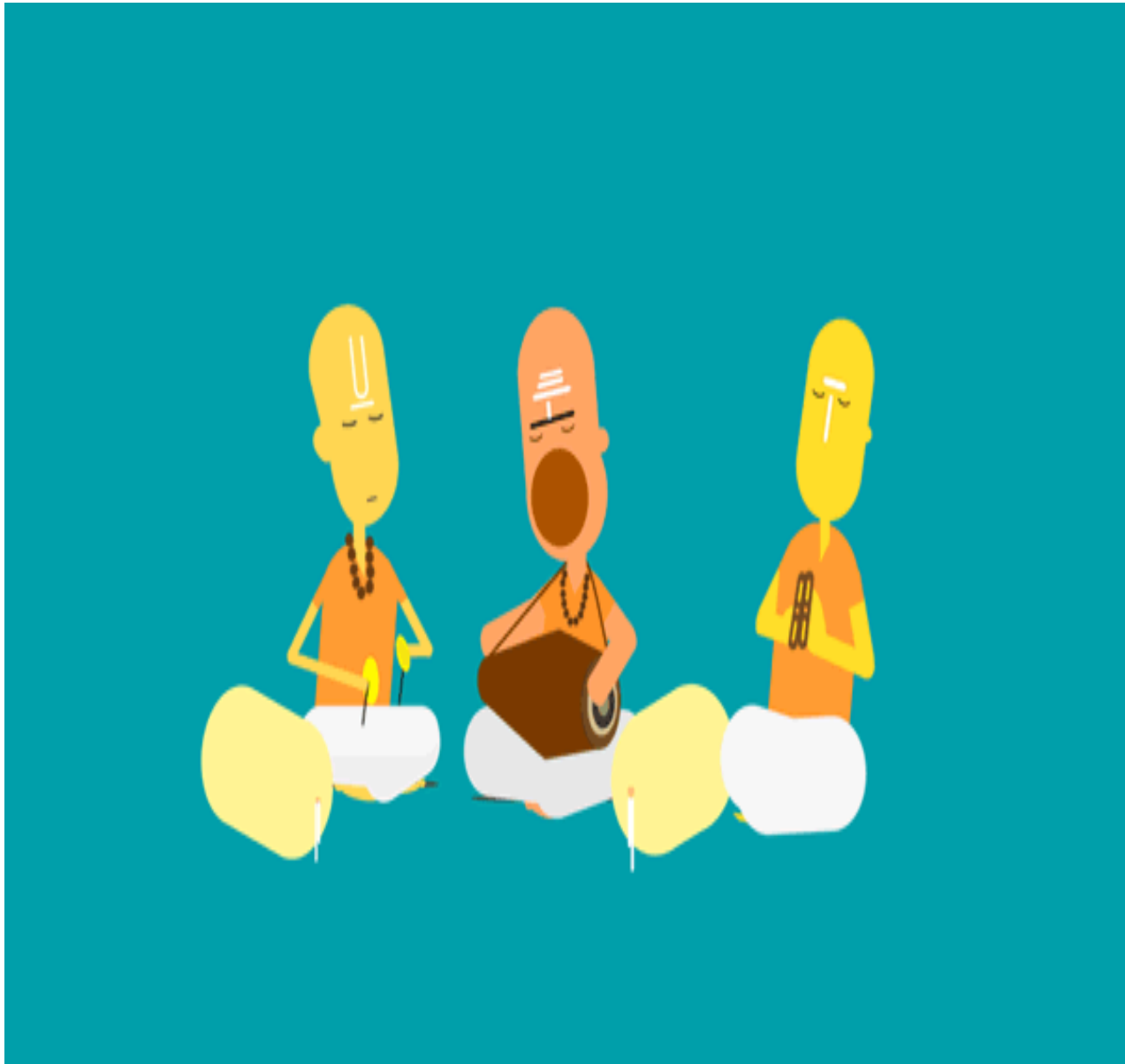

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

कबीर की सखी

ऐसी बाँणी बोलिए
मन का आपा खोई।
अपना तन सीतल
करै औरन कैं सुख
होई।।

कबीर के पद

हम तौ एक एक
करि जांनां ।
दोइ कहैं तिनहीं कौं
दोजग जिन नाहिंन
पहिचांनां ।।

www.evidyarthi.in

आइए समझें

प्रश्न 5. सूफियों के प्रमुख आचार-व्यवहार क्या थे ?

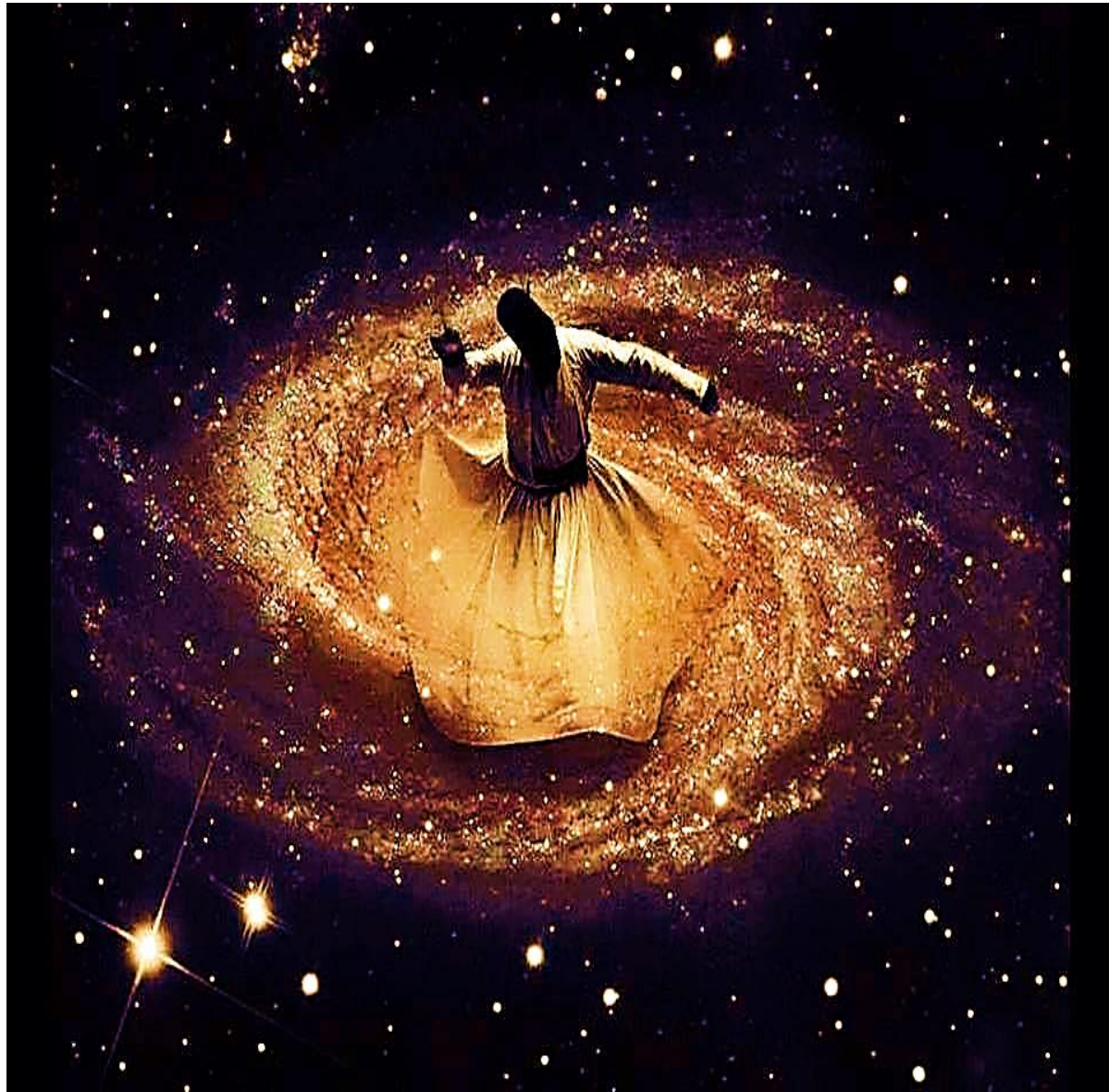

उत्तर-

1. सूफी मुस्लिम फकीर थे। उन्होंने बाहरी धार्मिकता को खारिज कर दिया और ईश्वर के प्रति प्रेम और भक्ति पर जोर दिया। उन्होंने लोगों को सभी साथी मनुष्यों के प्रति दयालु होने के लिए प्रेरित किया।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

2. उन्होंने मूर्ति पूजा को अस्वीकार कर दिया और सामूहिक प्रार्थना में पूजा के अनुष्ठानों को काफी सरल बना दिया।

3. उनका मानना था कि दुनिया को एक अलग तरीके से देखने के लिए दिल को प्रशिक्षित किया जा सकता है।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

4. उन्होंने ज़िक्र का उपयोग करते हुए प्रशिक्षण के विस्तृत तरीके विकसित किए, जिसका अर्थ है एक नाम या पवित्र सूत्र का जप, चिंतन, समा, गायन, रक, नृत्य, दृष्टान्तों की चर्चा, सांस नियंत्रण आदि। पीर नामक एक गुरु के मार्गदर्शन में।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

प्रश्न 6. आपके विचार से बहुत-से गुरुओं ने उस समय प्रचलित धार्मिक विश्वासों तथा प्रथाओं को अस्वीकार क्यों किया ?

उत्तर- कई शिक्षकों ने प्रचलित धार्मिक मान्यताओं और प्रथाओं को खारिज कर दिया क्योंकि ये सामाजिक अंतर, अधिक कर्मकांड और बाहरी प्रदर्शन धर्मपरायणता पर आधारित थे।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 7. बाबा गुरुनानक की प्रमुख शिक्षाएँ क्या थीं ?

उत्तर-

1. बाबा गुरु नानक ने एक ईश्वर की पूजा के महत्व पर जोर दिया।
2. उन्होंने जोर देकर कहा कि मुक्ति प्राप्त करने के लिए जाति, पंथ या लिंग अप्रासंगिक है। मुक्ति का उनका विचार सामाजिक प्रतिबद्धता की मजबूत भावना के साथ सक्रिय जीवन की खोज पर आधारित था।

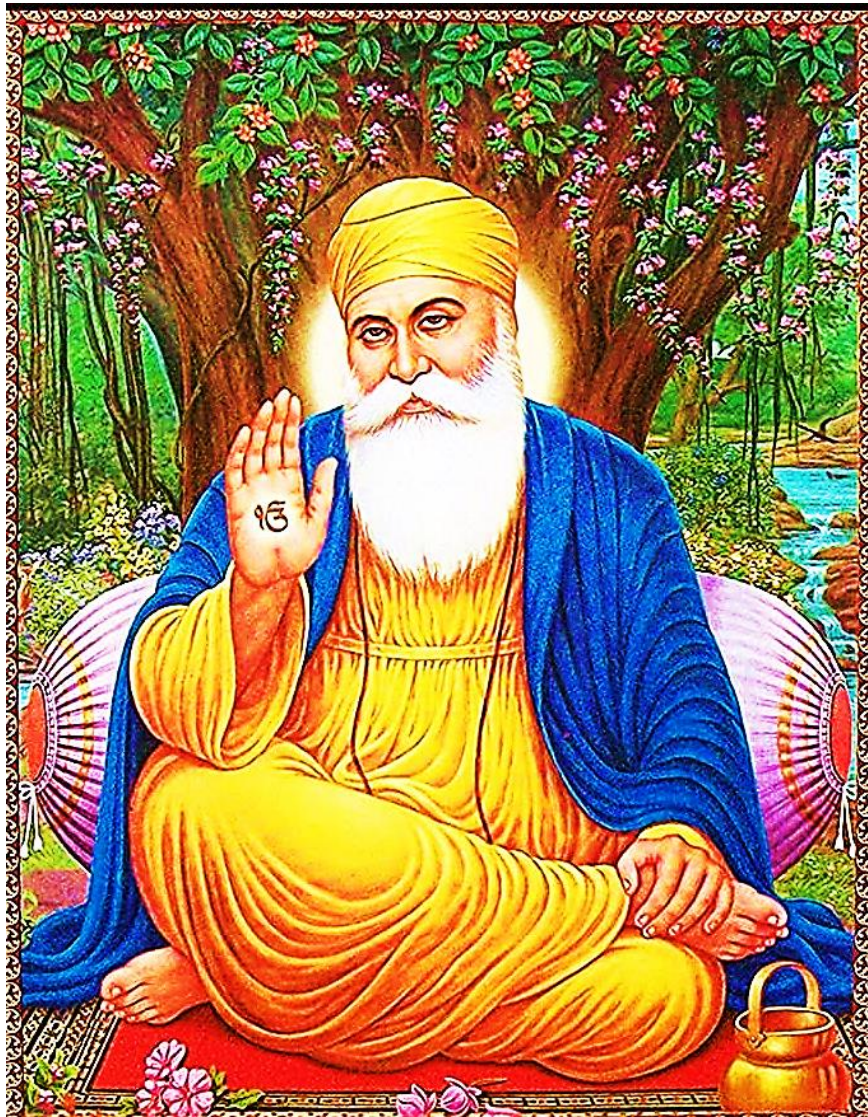

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

3. उन्होंने अपनी शिक्षा के सार के लिए नाम, दान और इस्नान शब्दों का इस्तेमाल किया, जिसका वास्तव में मतलब सही पूजा, दूसरों का कल्याण और आचरण की शुद्धता था।

4. उन्होंने सही-विश्वास और पूजा, ईमानदारी से जीने और दूसरों की मदद करने को महत्व दिया।

5. गुरु नानक ने इस प्रकार समानता के विचार को बढ़ावा दिया।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

समानता के प्रचारित विचार

दूसरों की मदद करना

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

आइए विचार करें

प्रश्न 8. जाति के प्रति वीरशैवों अथवा महाराष्ट्र के संतों का दृष्टिकोण कैसा था ? चर्चा करें।

उत्तर- जाति के प्रति वीरशैवों का दृष्टिकोण:
वे सभी मनुष्यों की समानता में विश्वास करते थे। वे जाति और महिलाओं के साथ व्यवहार के बारे में ब्राह्मणवादी विचारों के खिलाफ थे।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

वे एक ऐसे समाज की कामना करते थे जहां सभी पृष्ठभूमि के लोग उच्च और निम्न, अमीर और गरीब की भावनाओं के बिना सद्भाव से रह सकें।

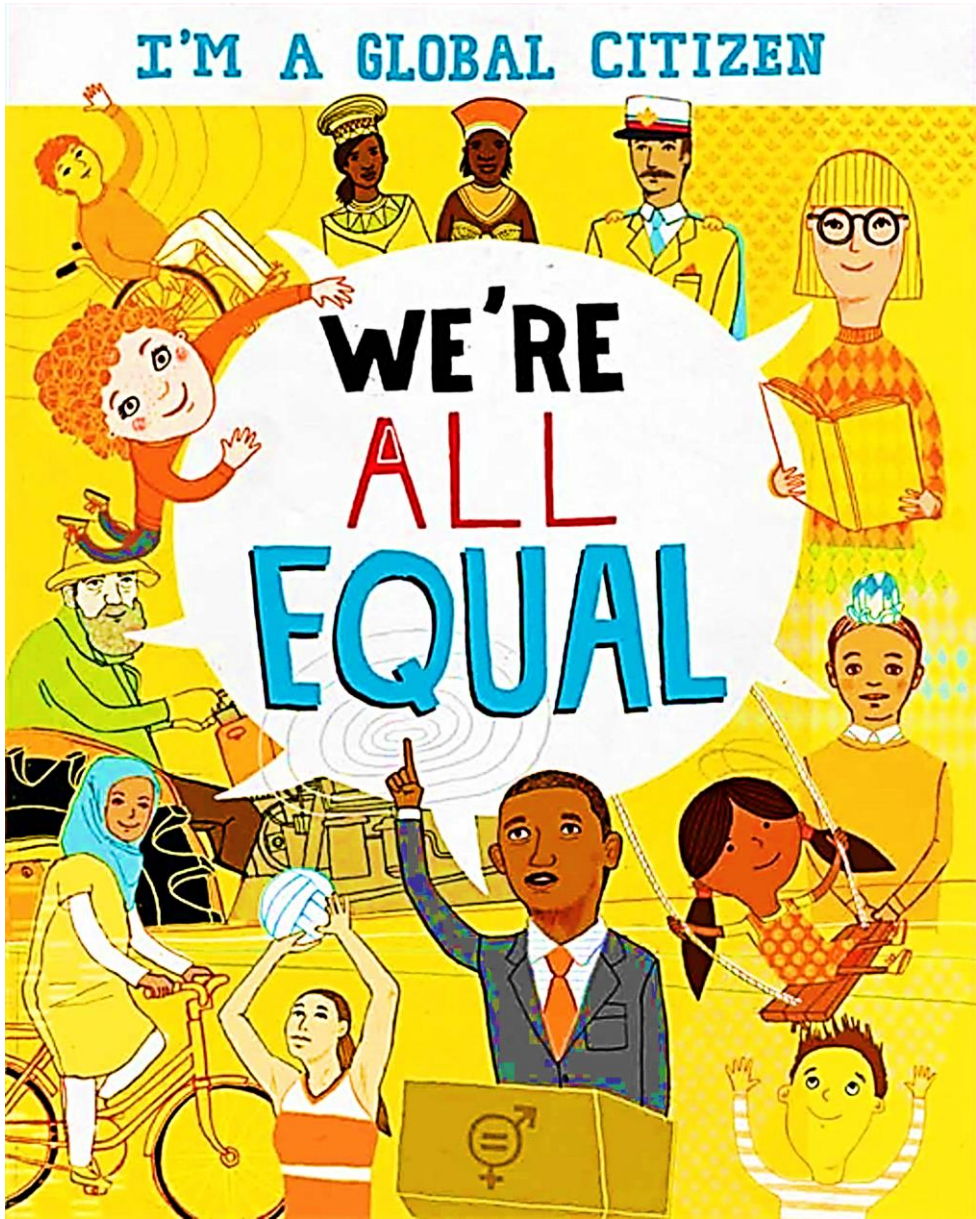

www.evidyarthi.in

उत्तर
जाति के प्रति वीरशैवों के विचार – वीरशैवों ने सभी प्राणियों की समानता के पक्ष में और जाति तथा नारी के प्रति व्यवहार के बारे में ब्राह्मणवादी विचारधारा के विरुद्ध अपने प्रबल तर्क प्रस्तुत किए। इसके अलावा वे सभी प्रकार के कर्मकांडों और मूर्तिपूजा के विरोधी थे।

जाति के प्रति महाराष्ट्र के संतों के विचार – महाराष्ट्र के संतों में जणेश्वर, नामदेव, एकनाथ और तुकाराम आदि महत्त्वपूर्ण थे। इन संतों ने सभी प्रकार के कर्मकांडों, पवित्रता के ढोंगों और जन्म पर आधारित सामाजिक अंतरों का विरोध किया।

www.evidyarthi.in

प्रश्न 9. आपके विचार से जनसाधारण ने मीरा की याद को क्यों सुरक्षित रखा?

उत्तर- मीराबाई एक राजपूत राजकुमारी थी जिसका विवाह मेवाड़ के शाही परिवार में हुआ था। लेकिन उसे सांसारिक मामलों में कोई दिलचस्पी नहीं थी। वह कृष्ण की प्रबल भक्त थी और अपना समय अपने भगवान की पूजा के लिए समर्पित करना चाहती थी।

कक्षा VII पाठ 8 ईश्वर से अनुराग (NCERT)

www.evidyarthi.in

- उसे रियासत की स्थिति और उच्च वर्ग समाज के अन्य मानदंडों में कोई विश्वास नहीं था। अपने देवता के प्रति उनकी भक्ति सर्वोच्च थी। इसलिए, उसने शाही महल छोड़ दिया और उधार देना शुरू कर दिया। साधारण लोगों के साथ सादा जीवन।